<u>सम्पूर्णता वर्ष</u>

मग्न हो जाएँ प्रभु प्यार में - 4

25.05.2014

1. **<u>स्वमान</u>** - भगवान मेरा मुरब्बी बच्चा है।

- मेरे लाल ! मैं लक्ष्यहीन जीवन जी रहा था, जैसे मेरे जीवन का कोई उद्देश्य ही नहीं था....अब तुम्हारे रुप में मुझे जीने का एक सहारा मिल गया....मैं इस तन को व धन को संभालने की व्यर्थ चिन्ताओं में ही मरा जा रहा था लेकिन अब तुम्हारे रुप में मुझे इसका सच्चा वारिस मिल गया....अब मेरी जिम्मेवारियों को संभाल मुझे सुख देने, मेरी चिन्ताएं हरने तुम आ गये हो....अब यह तन-मन-धन तुम्हारा है, मेरा कुछ नहीं....ऐसे स्वयं से बातें करते हुए प्रभुप्रेम में मग्न हो जाएँ...।

2. **<u>योगाभ्यास</u>** -

अ. यदि मुरली सुनते समय बुद्धि कहीं चली जाती है तो मेरा बेटा मुझे अटेन्शन दिलाता है...।

ब. कर्म करते समय अपने बेटे को यूज करना...। बीच-बीच में विश्व के किसी भी हिस्से में पावरफुल सकाश देने भेज देना...।

स. भोजन के समय उसे साथ में बैठाकर प्रत्येक कौर (गिट्टी) पहले उसे स्वीकार करा फिर स्वयं खाना... (अन्यथा वह भूखा रह जायेगा और आप खाकर उठ जायेंगे)।

द. रात्रि में प्यार से अपने साथ सुलाना (नहीं तो वह बिस्तर के बाहर सारी रात जागता ही रह जाएगा)।

इ. अपने बेटे से प्यार भरी बातें करें - बस एक बात का दुःख है मुझे कि तुम बस इस अंतिम एक जन्म में ही मेरे बेटे बनोगे फिर मुझे श्रेष्ठ दुनिया में श्रेष्ठ राज्य देकर मुझसे 5000 वर्ष के लिए दूर चले जाओगे....!!!

3. **<u>धारणा</u>** - जो बात मेरे बच्चे को प्रिय नहीं, वह मुझे भी प्रिय नहीं....मेरा बेटा हर पल मेरे साथ है तो अपने संकल्प, बोल व कर्म पर मेरा पूर्ण अटेंशन हो....।

4. **<u>चिंतन</u>** -

- भगवान को अपना बच्चा अर्थात् वारिस बनाने का क्या अर्थ है ?
- भगवान को वारिस बनाने से क्या-क्या प्राप्तियाँ होंगी ?
- भगवान को बेटे के रुप में साथ रखने से आपमें क्या परिवर्तन आया या आपके जीवन में कौन सी महानताएँ आ गईं ?

5. **<u>तपस्वियों प्रति</u>** - प्रिय तपस्वियों ! हमारे जीवन का वह अनमोल अविस्मरणीय क्षण, हमारे सर्व पुण्यों का, हमारी भक्ति का प्रतिफल कि स्वयं परमात्मा हमारे पास बेटे के रुप में अवतरित हुआ और हमें माता-पिता के रुप में उसे अपना वारिस बनाने का गौरव प्राप्त हुआ, जिसका गायन भक्ति में नंद-यशोदा के यहाँ कृष्ण के जन्म के रुप में तथा दशरथ-कौशल्या के यहाँ राम के जन्म के रुप में गाया गया है।